

प्रेषक,

राधिका झा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा,
हल्द्वानी नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक

05 जनवरी 10

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 में विशिष्ट महाविद्यालयों की स्थापना के अर्न्तगत पूँजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के आहरण की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या डिग्री विकास/9678/2009-10 दिनांक 21-11-09 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य के चयनित आदर्श राजकीय महाविद्यालयों में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों एवं विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिये विभिन्न उपकरण क्रय करने हेतु संलग्न विवरणानुसार वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-2010 के आय-व्ययक के आयोजनागत पक्ष में आदर्श महाविद्यालय योजनार्न्तगत मशीन साज सज्जा उपकरण में प्राविधानित धनराशि रु0 40.00 लाख (रु0 चालीस लाख मात्र) के व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- मशीन साज सज्जा उपकरण मद से राज्य के चयनित आदर्श महाविद्यालयों की प्रयोगशालाओं हेतु उपयोगी उपकरण जो महाविद्यालय के पास पूर्व से न हों क्रय किये जायेंगे। इस मद में प्राविधानित धनराशि से अनावश्यक व्यय यथा फर्नीचर, पर्दे, मैट, टेलीविजन आदि क्रय नहीं किये जायेंगे। तद्विषयक क्रय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 में प्राविधानित नियमों के अर्न्तगत पूर्ण पारदर्शी व्यवस्था के अनुसार किये जायेंगे।

3- चिन्मय डिग्री कालेज हरिद्वार के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय होने के कारण इस महाविद्यालय को स्वीकृत की जा रही धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा द्वारा आहरित कर उसे अवमुक्त की जायेगी।

4- उक्त स्वीकृत धनराशि व्यय करने से पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा एक क्रय समिति गठित की जानी होगी समिति के अनुमोदनोपरान्त ही सामग्री क्रय करने के सम्बन्ध में अंतिम निर्णय लिया जायेगा। सामग्री क्रय में अनियमितता होने पर सम्बन्धित प्राचार्य के अतिरिक्त समिति के समस्त सदस्य भी उत्तरदाई होंगे।

- 5- प्राविधानित मदों के अतिरिक्त किसी अन्य कार्य में व्यय नहीं किया जायेगा तथा अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में कोई व्यय नहीं किया जायेगा।
- 6- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा कार्य की प्रगति से शासन को अवगत कराया जायेगा एवं समय समय पर निर्गत वित्तीय एवं मित्तव्यता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-2010 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष के पूंजीगत लेखे के अधीन लेखाशीर्षक- "4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय -01-सामान्य शिक्षा -203- विश्वविद्यालय तथा उच्च शिक्षा-11- आदर्श महाविद्यालयों की स्थापना" की सुसंगत प्राथमिक इकाई 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र के नामे डाला जायेगा।
- 8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 683 (p)/xxvii(3)/2008 दिनांक 29-12-2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- सलग्न-यथोपरि।

भवदीया

(राधिका झा)
अपर सचिव

सं० 10 (1)/xxiv (7)55(2)/2008 तददिनांक

प्रतिलिपि-

निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- कुल सचिव, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
- 3- कुल सचिव, हे० न० ६० गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल।
- 4- लेखाधिकारी, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी (नैनीताल)।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी (नैनीताल)।
- 6- वित्त अनु०-3/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन। **N.I.C. सचिवालय।**
- 7- सम्बन्धित महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा उच्च शिक्षा निदेशक।
- 8- विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,
(पी०एल० शाह)
उप सचिव

शासनादेश संख्या 10 / XXIV (7)55(2) / 2008 दिनांक 5 / 1 / 2010 का संलग्नक

(धनराशि हजार रुपये में)

महाविद्यालय का नाम	प्रस्तावित धनराशि
1- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिथौरागढ़	100
2- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश- देहरादून	550
3- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर- चमोली	300
4-एम0वी0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी नैनीताल	550
5- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत-अल्मोडा	50
6- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी	450
7- राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार	150
8- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट	500
9- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनी	300
10- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी	550
11- चिन्मय डिग्री कालेज हरिद्वार	500
योग:-	4000

(रु0 चालीस लाख मात्र)


(पी0एल0 शाह)
उप सचिव